बी0ए0 संगीत (गायन) - द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**संगीत शास्त्र**	**बी0ए0एम0वी0 - 201**	**100**	**3**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व गायन शैलियां**			
	इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक।			
	इकाई 2 - नाद, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांन्गवादि राग, उतरान्गवादि राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग।			
	इकाई 3 - तराना, त्रिवट, गजल, कव्वाली, सादरा, चतुरंग, सरगम गीत, लक्षण गीत, कजरी एवं चैती का अध्ययन ; धुरपद की उत्पत्ति, विकास व घराने			
द्वितीय खण्ड	**स्वरलिपि पद्धति, राग पहचानना, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन**			
	इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे पद्धति से तुलना ; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं0 तानसेन, उ0 अमीर खुसरो, हद्दू खॉ, हस्सू खॉ, पं0 एस0 एन0 रातनजंकर, बड़े गुलाम अली खॉ व गिरिजा देवी) का जीवन परिचय।			
	इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
तृतीय खण्ड	**स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना**			
	इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों मे ख्याल(विलम्बित व मध्यलय - तानों सहित) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों मे ध्रुपद, दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनको लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
राग - विहाग, बागेश्री, वृन्दावनी सारंग, देश व शुद्ध कल्याण **ताल -** बी0ए0 प्रथम वर्ष की तालें तथा झपताल, धमार, रुपक, कहरवा व दादरा				